

DPN 5943

Title : ज्योतिष जंत्र Jyotiṣa JANTRA

Run. No. 6634

Cat. No.

Micro. No.

Subject ज्योतिष व जन्मसमय
Astrology and Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 26.6 x 11.5

Folios 17

Lines (in a page) 9

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्र रत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Ratna vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

टिप्पणी : बुकी स्वप्नदर्शन फल व मंत्र
जन्म चित्र इ ।

Remark : This MS copy contains
dream interpretation
and diagrams of Mantra
yantra etc

रजयतः ॥ या ॥ श्यामं चरुं वज्रं त्रिजोऽनायासात् नवीनहानी वीरः ॥ ५५ ॥ या
 यायासवदाऽनायासात् विनमयदूरवयाया ॥ ५६ ॥ ममोसा वीरुननपीयानवतवसा
 मन्तउज्जानवा ॥ नीसदीनतुसुज्जानमयज्जवमुरवयनरसमवकाव ॥ यनकाऽकाज्ज
 सरवनरायादोजीयज्जननीमायि ॥ ५७ ॥ रमेधमलाल ॥ ख ॥ गलज्जतवयनाकि
 योऽककायक ॥ ५८ ॥ कनवकोऽमीधयनीश्या ॥ ज्जावकोदानदीज्या ॥ सातदान
 धनमसलघात ॥ ५९ ॥ हि कावकी ॥ या ॥ काकहं तत्र वात्रकमहं मन्कधनप्रवत
 मकन्दासशानतीयुः ॥ कावीनवय ॥ यानकोदानदीया ॥ ६० ॥ रकारुका ॥ या ॥
 वनामतीकनवरासा ॥ ६१ ॥ वीनलदयवीरमनयवीनहीउथावयनामवी
 पुनरतासुखवकेनयवीनहीयूनयमनकामा ॥ वीनवीनजवसनमुर

यनाहावज्जधमसानानवनहीहाकेध्यातदोननयनशवयग्मान ॥ का
 वसंगमकाकनवनीयाका ॥ कनववतावहीनीरायीजमगतप्रकाऽर
 थीनजोवलमन्दचान्दस्मरववीनरायी ॥ ६२ ॥ रजनी ॥ व ॥ दीश्यामाहानकव
 याग ॥ ६३ ॥ सरवसरवकनायनादेनका ॥ उदीगयावावशानदरयासव
 रजगतीरजानमयमो ॥ ६४ ॥ त्रिधनकानिशीदीनजवतवकनाजित्मका
 ॥ जगतयकासदासमाधवदेवको ॥ चान्दस्मरवशीरुदीजीयहमका ॥ ६५ ॥
 रकारुका ॥ या ॥ रवाकेदोजकशामका ॥ कनामवीनकवलकामका ॥ जोमीरवनाममेवी
 दनरावय ॥ ६६ ॥ मुरवकवनकामका ॥ या ॥ नीवून ॥ ६७ ॥ पयदाकीया ॥ रावसनी



३ नि

१ ॐ नमो कालिनि वागिनी गङ्गा ति नेः सदा श्रु चि तं वंदनं नरु व
 सदा वेदि नालवन न देवे नमो स क सुहृ तह वालि ॥ १ ॥ नमो माहि
 तितः मूव सः सदा पद वद निह सलि क नाना सदा मृग नम
 न रूप चर नि नमो स क सुहृ त नि मवानि ॥ २ ॥ नमो भू नि देव
 हि वेद माना व हि ज्योती नी यो गगं मे व हि काशि नि मोहि तं काम
 नमो संकता क सुहृ नी म वारी ॥ ३ ॥ नमो उव गह सौ ग ल्प नृ द मा
 सदा जर्जितः कं पाय मानं ज्ञा स म म न म हि म हि व स न नमो संकता
 क सुहृ त नि म वानि ॥ ४ ॥ नमो पू व ल्प ग रे दृ द मा ला सदा क का
 चन रूप च नि त्रा सदा न तन पृ थं स हू संहा त क नि नमो संक ह

३ दा

॥ ह न नी न म वा नी ॥ यान मो व हितं क व यो गानि यो गानि यो ग
 धाते ॥ ब्र ह्मि वि श्व मा त अ र्ज ण वृ ध्वा ने ॥ वो ह्मि का मि नि मो ह्मि तं का म ना
 अं न मो लं क ता क क ह न नि न वा नी ॥ ७ ॥ न मो अं दू य त्व द न न पृ थ्वा
 पा न का न ह्म स र्व पा प ह न पं थ्रं यं व व न दा न मो न मो ॥ न मो लं क
 क ह्मि न नी ॥ नि ॥ ॐ वि श्व लं क ता चार्क वि ची तं ॥ लं क ता क क ह्म
 ल म्पा ॥ ६ ॥ नाम ॥ नाम ॥ नाम ॥ नाम ॥ विव ॥

पूर्व	उत्तर	दक्षिण	पश्चिम	शालु
पूर्व सङ्कट रवा रुक्क द ०० वः य तम् स्व लाम थक्क ससनाम दु	उत्तर सङ्कट रवा रुक्क दयि वः य ममुखनामः थक्क समु ल्प रि य द ०० वः ॥	दक्षिण सङ्कट रवा रुक्क द ०० वः हो नी ल म् खनामः यने रुक्क द ०० वः ता वा ०० ॥	पश्चिम सङ्कट रवा रुक्क दयि वः य वि मुखनामः थक्क स थनना स रु यि	पूर्व वः ०० वः रुक्क रवा दयुः या ता ० लामः क ह्म ख द ०० ॥



१ ॐ नमो श्री गुरु नमो सैका ल ॐ नमो श्री वृष्णा मुनि देवि मुक्ति मा म नमो ॥ पृथ्वी
 वृ लो ॥ १० ॥ ११ ॥ १३ ॥ २० ॥ धनुः आदिना वायु क ॥ कु ॐ चीनि वा ॥ खणि ॐ चीनि विद
 श्री मादडा ॥ पृथ्वी कु ॐ आदिना ॥ होद म ॐ
 देवता सदैव वाहन ॥ स न स त्व ॥
 म मनुकता तथैत वाहन ॥ ग रु स त्व
 कु नाक सता त शृ गृ कुं द वाहन ॥ वा न स ता ॥
 ते मनुकता कथित सा वाही ॥ ना ग स ता ॥
 म देवता तथैत वाहन ॥ ना ग स ता ॥
 रा मनुकता वि वाहन ॥ रिव वा स ता ॥
 पु देवता तथैत वाहन ॥ रति स ता ॥

१ आदिना ॥ मनुकता ॥ मा व
 ता मुः या गृः लः म न १२ ॥
 वंदु मा माः सै रवः रति ॐ
 म न १ ग ॥ २ ॥ र्जु ग म न मा
 थ साः प्र काः ता वृ या गृः
 पृ लः लः गृ ग न सः पृ ताः
 ३ ॥ वृ थ या ॥ लः ॐ काः
 सै रवः या गृः वृ थ देव ताः

४ देव शात युन कल सवा हा ॥ वाच सता ॥
 ५ नाकुस शात का वती वा हा ॥ रु ति सता ॥
 ६ नाकुस शात मे सवा हा न ॥ कु सता ॥
 ७ मनु कु शात सिना वा हा ॥ कु सता ॥
 ८ मनु कु शात आ हा वा हा ॥ सा सता ॥
 ९ देव शाती कि सि वा हा न ॥ मे सता ॥
 १० नाकुस शात पुषा वा हा न ॥ धू सता ॥
 ११ देव शात दुलि वा हा ॥ मे सता ॥
 १२ नाकुस शात कु सी वा हा ॥ धू सता ॥
 १३ देव शात हा सवा हा ॥ वना सता ॥
 १४ नाकुशा का वल वा हा ॥ वना सता ॥
 १५ नाकुस शात लि न वा हा ॥ रि व वा सता ॥
 १६ मनु कु शात लि वा वा हा ॥ मा क सता ॥
 १७ मनु कु शात लि वा वा हा ॥ सा सता ॥
 १८ देव शाती नल वा हा ॥ मा क सता ॥
 १९ नाकुस शात वा य वा हा ॥ सिंघ सता ॥
 २० नाकुस शाती थ सा वा हा ॥ सन सता ॥
 २१ मनु कु शात का वत वा हा ॥ सिंघ सता ॥
 २२ मनु कु शात का यत वा हा ॥ सा सता ॥
 २३ देव शात व कु वा हा न ॥ कि सी सता ॥
 वा हा न ध्व य देव ॥

युता ॥ ४ ॥ १ वृ ह स्प ति या ॥
 पो त व रुः त क्काः नः दे ग रि
 म त व रु ॥ ५ ॥ १ ७ २ कृ पा
 स नाः क य ग रि लिः ल र व का
 नः य रु हा य द द द र व ल
 ॥ ६ ॥ १ ७ ३ नि ध्व न ॥ क य
 लि साः मा साः पि ग न स
 टी म स न य रु ॥ १
 १ ना ह या ॥ र व दः मा न
 वा नि स य रुः दी य रु

गु ती ॥ ६ ॥ क रु ॥ १
 वा न सः का न नः के
 र ताः ही ती स य रु
 थ न दा न य रुः १



20

15

10

5

ॐ र का वा बी कं प्र १ था को दा ता दसि ता २ ना लि स ता ३ कु त ता ४ सिं दू
 ता ५ सि र वा दू ता ६ थ न वा ष या दा डो लं ष थ ल र वा नं स्म स्म वा न
 या ता थ वि कं ति डा ॥ ७१ ॥ अ वा लि य मिस कू या ग व य मिस कू य १ क य
 सा दू १ ष यो १ क सु नू १ लि ना थू नि १ मि म रा रू १ क्का उ त १ ॥ थ ने दू न या
 डा डा, क न वि य ॥ मि सा हा या ॥ भि म रा रू १ क्का उ त १ ॥ ७२ ॥ व सा ॥
 रा या ति, ष यो १ क सु नू १ ली व सि ति, थ ने स गू लि वि ने, र वि ॥
 र स व्या ता २ ष यो १ म दू वा थ ल म १ ला रा ता १ थ ल ह ल या न सु
 वा कू न गू या नि य दि न १० स ला या वा स नि य दी न प गू रि ति जी
 म १ म नि दू न र य ला, ला रा र सी सी श थ डा द, य न वि ॥ ७३ ॥ स व वा
 क य न ता १ ल वा म ४ क या व वा नि म १ रू दी म १ थ न
 ७४ का ग ता न स १ न ल सी न स १ म ग ना त्र न स १ ॥ ७५ ॥

द य के कू ली न स सी क थ न ची नि या आ ला न ता
 न स का य ७५ ॥ ७६ ॥ कू ली न या न ल स सा थ ल स व ल
 य थ रू १ त ल न ड ल रू १ ना स १ ॥ ७७ ॥ वा थ ल ता १ ता म ७८ न ता
 म ७९ ॥ ८० ॥ म ना न स ७८ क थ न क प्र म ता वि य स वा
 य ल दू य के ७९ वा थ ल म र ता न के रू स गी ने ची क वा क
 हो य के व स या ता क दू व थ १ ॥ ८० ॥
 १ ८१ ॥ ८२ ॥ कू ल र ची नि य ल र ह ल गे ल र थ ल य स ली प ता
 ७८ क थ न स ७९ ॥ ८० ॥ वा र व या य, या दू य स ता ७८
 १ ८१ ॥ ८२ ॥ वा र व या य, या दू य स ता ७८
 ति य थ जा या को व ल स व ल वा य म व थ १ २ ७८ ह ल ह स म य र स वा वा
 दी ली म के व र स स सी सी म य र सा ता १ ० ७८ थ म र न ड व ल वा द को



सवित्र

ज्योतिष

प्रसादीन्द्रल
वज्राचार्य

भवा

0 cms.

5

10

15

20

25

परदेनासेवेः
काजवा
का

सारमदवत्ति
 चोद. सं. या
 दव १०
 परदेशा
 रथे व
 स्यात्
 अनुमा

पदे शसनेति

काजसत
नयदईव

20

15

10

5

0 cms.

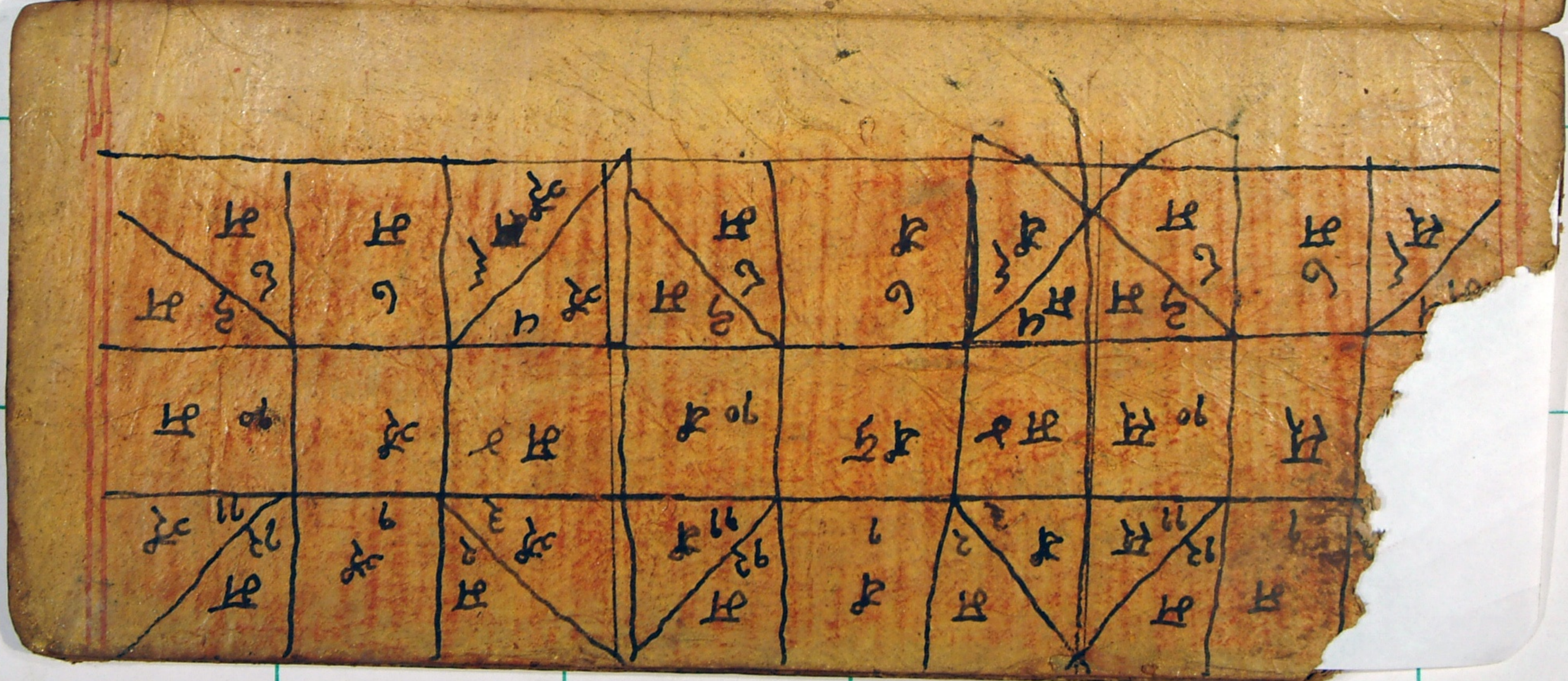
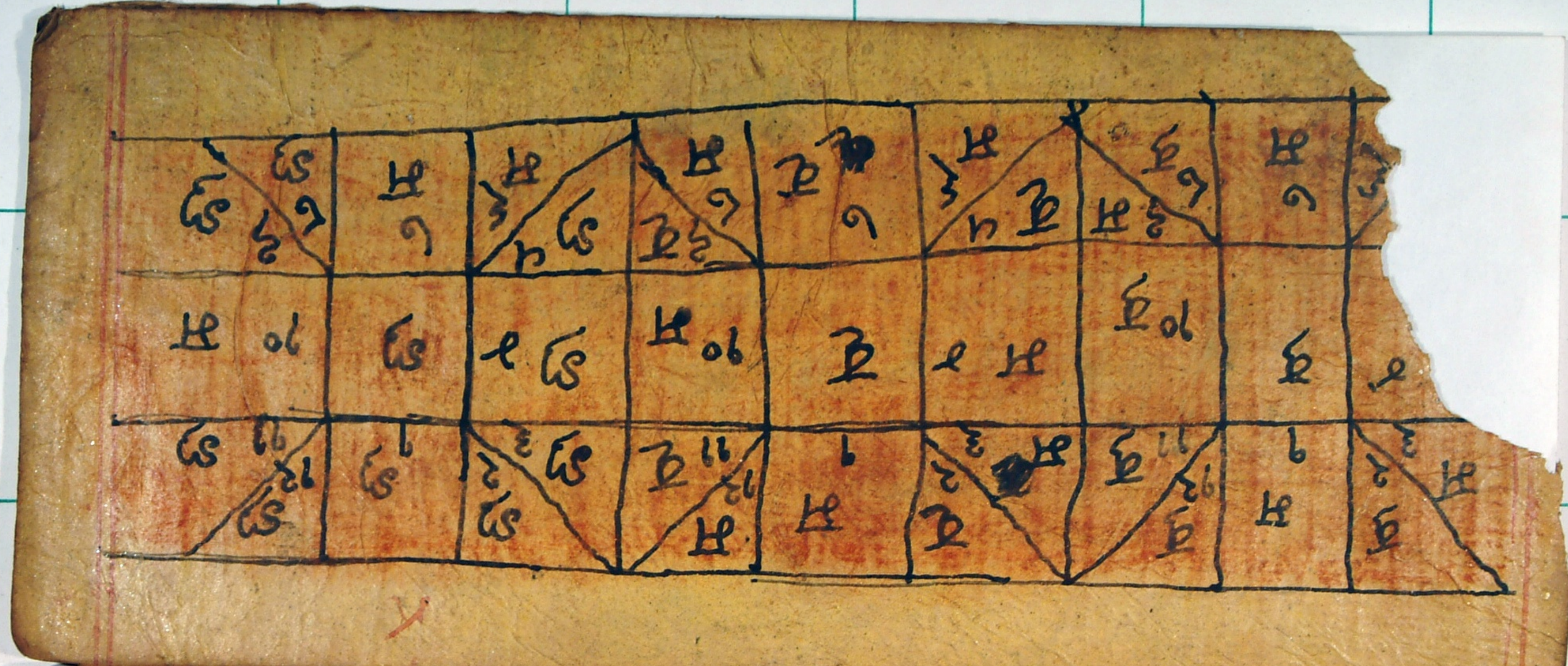
5

10

15

20

25



10

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

This image shows folio 10v from the Voynich manuscript. The page is filled with handwritten text in the characteristic Voynich script. A large, hand-drawn diagram occupies the right half of the page. The diagram consists of a central rectangular area with rounded corners, flanked by two smaller, rounded rectangular sections. Above and below this central area are three-lobed structures, each containing three smaller, rounded rectangular compartments. The entire diagram is enclosed within a larger, irregular border. The text is written in dark ink on aged, yellowish paper.



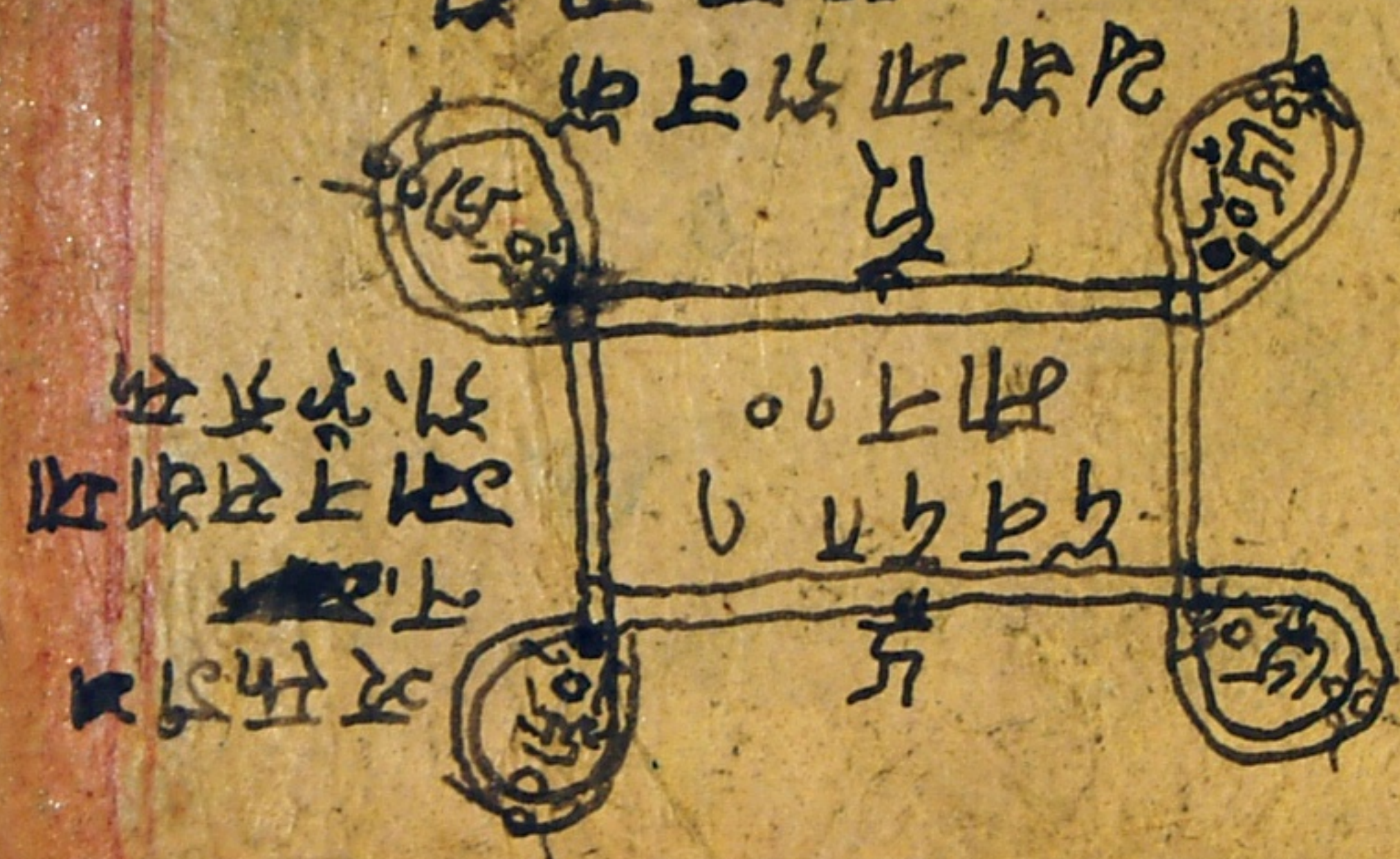
二 二 三 四 五 六 七

112 113 114 115 116 117 118 119 120
 121 122 123 124 125 126 127 128 129

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, possibly a form of shorthand or a specific dialect. The text is arranged in several lines, with some characters enclosed in a circle. The characters are stylized and difficult to decipher without a key.



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वनिति प्रवृन्धवनि की

जकीसि कथकि व

A 3x3 magic square from the Rhind Papyrus, featuring Egyptian hieroglyphs. The top row contains three identical symbols. The middle row contains two identical symbols. The bottom row contains three identical symbols. The left and right columns each contain three identical symbols. The center cell contains a single symbol.

दुनितागानवक्ष

12 11 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1



[illegible][illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written on a single leaf of parchment, showing signs of age and wear. The script is dense and fills most of the page. The parchment is yellowed and has some staining, particularly along the right edge. The text is written in a single column, with some lines starting with a large initial letter. The script is a form of Gothic or similar medieval cursive.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written on a single leaf of parchment, showing signs of age and wear. The script is dense and fills most of the page. The parchment is yellowed and has some staining, particularly along the right edge. The text is written in a single column, with some lines starting with a large initial letter. The script is a form of Gothic or similar medieval cursive.